Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Jagannathpur, Dhurwa, Ranchi-834004

Email address: ysmranchi4@gamil.com

(NACC Accredited, Grade: B++, CGPA: 2.89)

COURSE OUTCOMES(COS),B.A HINDI

Semester	Course Code	Course Title	Course Outcome
Sem 1	C1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)	1.इतिहास-दर्शन की समझ 2.काल विभाजन एवं नामकरण की पद्धतियों से परिचय 3.तत्कालीन सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक एवं साहित्य वातावरण से परिचय
	C2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)	1.भक्ति भावना के उदय के कारणों को समझना 2.दक्षिण एवं उत्तर भारत की समन्वय भूमि की अवगति 3.भक्ति भावना के मानसिक प्रभाव की समझ
	GE-1	कला और साहित्य	1.कला,शिल्प,साहित्य,नाट्य की समझ विकसित 2.कला के विविध रूपों से परिचय 3.लोक कला और साहित्य के अन्तःसंबंध की समझ
	AECC	हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण	1.संप्रेषण कौशल का विकास 2.संप्रेषण के विविध क्षेत्रों में भाषा प्रयोग की समझ 3.हिंदी भाषा के समुचित एवं शुद्ध प्रयोग की प्रवृत्ति का विकास
Sem 2	C3	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल)	1.रीतिकाल की उदयकालीन सामाजिक,सांस्कृतिक,राजनीतिक वातावरण से परिचय 2.शासकों के विलासितापूर्ण जीवन के साहित्य पर प्रभाव से परिचय

			3.परवर्ती हिंदी कविता पर रीतिकालीन प्रभाव के आकलन की समझ
	C4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	1.आधुनिकता बोध एवं तात्पर्य की समझ 2.अंग्रेजी शिक्षा एवं नवजागरण के प्रभाव से परिचय 3.खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक प्रयोग के क्रमिक विकास की समझ 4.भारतीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के प्रबल रूप का दर्शन
	GE-2	अनुवाद	1.स्वातंत्र्योत्तर भारत में अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व की समझ 2.अनुवाद की प्रक्रिया एवं समस्याओं से परिचय 3.अनुवाद को आजीविका-साधन बनाने की ओर प्रवृत्ति
Sem 3	C5	छायावादोत्तर कविता	1.छायावादोत्तर काव्य-यात्रा के विभिन्न संदर्भों का अध्ययन करते हुए कविता की अंतर्वस्तु और शिल्प चेतना से छात्रों को परिचित कराना 2.छायावादोत्तर काल के बदलते मानवीय एवं साहित्यिक मूल्यों से परिचय 3.आधुनिक तनावपूर्ण जीवनशैली और तदनुरूप साहित्य सृजन की समझ विकसित
	C6	हिन्दी कथा साहित्य	1.कथा साहित्य की विकास-यात्रा में व्यंग्य-बोध,यथार्थ-बोध एवं महानगरीय संवेदन-शून्यता से परिचय 2.कहानी और उपन्यास में व्यक्त मध्यवर्गीय जीवन मूल्य की पड़ताल करना और अत्याधुनिक भावबोध की समझ विकसित करना
	C7	हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएं	1.नाट्य विधा एवं कथेतर गद्य विधाओं से परिचय एवं उनकी विकास यात्रा का बोध 2.नाटक की दर्शक सापेक्षता और साहित्य में बौद्धिकता के प्रति समझ विकसित 3.साहित्यिक निबंधों द्वारा साहित्य की अच्छी समझ का विकास

	GE-3	साहित्य और पत्रकारिता	1.पत्रकारिता के प्रति उचित समझ एवं रोजगार के क्षेत्र में इसके महत्त्व का बोध 2.हिन्दी पत्रकारिता के विकास के विभिन्न चरणों की समझ 3.सामान्य पत्रकारिता एवं साहित्यिक पत्रकारिता के अंतर एवं संबंध की समझ
Sem 4	C8	भाषा विज्ञान	1.विश्व-भाषाओं को वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से समझ पाना 2.भाषाओं के पारिवारिक एवं आकृतिमूलक वर्गीकरण का बोध 3.सामान्यतः विभिन्न भाषाओं की संरचना और उनके अंतःसंबंध की समझ
	C9	हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	1.हिन्दी भाषा के विकास क्रम का परिचय 2.हिन्दी भाषा के विविध एवं समावेशी स्वरूप से परिचय 3.नागरी लिपि के विकास-क्रम एवं वैज्ञानिक स्वरूप का परिचय
	C10	प्रयोजनमूलक हिन्दी	1.वर्तमान समाज में हिन्दी भाषा के विभिन्न प्रयोग-क्षेत्रों का परिचय 2.विभिन्न कार्य-क्षेत्रों में हिन्दी-प्रयोग की वर्तमान स्थिति का परिचय 3.प्रयोजनमूलक हिन्दी की क्षमता-योग्यता एवं संभावना का बोध
	SEC 2	कार्यालयी हिन्दी	1.विभिन्न कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने की योग्यता का विकास 2.कार्यालयी भाषा के विभिन्न स्वरूप का बोध 3.कार्यालयी भाषा-लेखन के विविध स्वरूप से परिचय
	GE 4	रचनात्मक लेखन की विधाएं	1.रचनात्मक लेखन के प्रति उत्सुकता एवं प्रवृत्ति का जागरण 2.साहित्य की विभिन्न विधाओं के स्वरूप की पहचान 3.विभिन्न विधाओं में प्रयुक्त काव्य-तत्वों का बोध

Sem 5	C11	भारतीय काव्यशास्त्र	1.काव्य-चिंतन के गौरवपूर्ण भारतीय इतिहास का बोध 2.काव्य-शास्त्रीय विविध सिद्धांतों-वादों का परिचय 3.विभिन्न काव्यांगों एवं काव्यात्मा संबंधी चिंतन से परिचय
	C12	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1.काव्य-चिंतन की पश्चिमी विचारधारा से परिचय 2.पश्चिमी काव्य-शास्त्रकारों के विचारों से परिचय 3.काव्य-चिंतन की पश्चिमी पद्धति के विभिन्न तत्वों का परिचय
	DSE 1	सूरदास एवं तुलसीदास	1.सूर एवं तुलसी की दार्शनिक प्रतिपत्तियों का बोध 2.भक्त कवियों के जीवन की प्रेरणा से सद्वृत्तियों का बोध 3.ईश्वर के “शक्ति-शील-सौंदर्य” स्वरूप का बोध
	DSE 2	कबीरदास एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1.कबीर और निराला की दार्शनिक अवधारणा से परिचय 2.दोनों कवियों के जीवन-संघर्ष से प्रेरित हो पाना 3.कवियों की लेखन-कथन शैली की विशिष्टताओं का बोध
Sem 6	C13	हिन्दी समीक्षा	1.साहित्य-समीक्षा का स्वरूपगत बोध 2.पश्चिमी काव्य-चिंतन के प्रभाव का आकलन कर पाना 3.हिन्दी-साहित्य को परखने का बोध
	C14	विश्वभाषा हिन्दी	1.वैश्विक भूमंडलीकरण के दौर में भाषिक भूमंडलीकरण की पहचान 2.विश्वभाषा बनने के लिए हिन्दी भाषा की क्षमता की पहचान 3.हिंदी के विश्वभाषा बन पाने के प्रति सचेष्ट होने में राष्ट्र- भावना का बोध

	DSE 3	लोक-साहित्य एवं हिन्दी की राष्ट्रीय-काव्यधारा	1.लोक-साहित्य की स्वरूपगत पहचान से लोक-संस्कृति के प्रति जुड़ाव 2.राष्ट्रीयता के गायक कवियों के अध्ययन से राष्ट्र-भावना से अनुप्राणित होना 3.लोक-साहित्य एवं राष्ट्रीय धारा-साहित्य के अध्ययन से भारतीय जनमानस की सही पहचान
	DSE 4	साहित्य के नए विमर्श एवं प्रेमचंद	1.साहित्य में विभिन्न वंचित-उपेक्षित वर्गों के विमर्श का बोध 2.विभिन्न विमर्शात्मक साहित्य द्वारा उन वर्गों में हो रहे बदलावों का विश्लेषण 3.प्रेमचंद के अध्ययन द्वारा भारतीय समाज एवं संस्कृति की सही पहचान हो पाना